

प्रेषक,

राधा रत्नडी,

सचिव,

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबंध निदेशक,

उत्तरांचल बहुउद्देश्यीय वित्त एवं विकास निगम,

देहरादून।

समाज, कल्याण अनुभाग-३

देहरादून : दिनांक ४ अगस्त, 2005

पिष्यः उत्तरांचल बहुउद्देश्यीय वित्त एवं विकास निगम से संबंधित अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण के अन्तर्गत अश पूँजी के मद में वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक में पारित धनराशि वर्ग वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 803/बजट/विकलांग/अंशपौँजी/2005-06 दिनांक 21 जूलाई, 2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय घालू पित्तीय वर्ष 2005-06 में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु रक्खेजगार अंशपौँजी मद में रु. 10लाख (रु. दरा लाख मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों के अंतर्न व्यय करने की सहृदय स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. आय-व्ययक द्वारा व्यवरित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये वार्षीय को कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।

2. उक्त आवंटित धनराशि किसी रूप से पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हरत पुरिताका/बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य स्वाम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्याप अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।

3. मितव्ययता के संबंध में नियमों का कडाई रो पालन किया जाए।

4. अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत रुमय रातरणी के अनुसार रागप्रित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

5. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के 'आयोजनागत पद्ध' के अन्तर्गत सेखाईपीक 4225-अनुसूचित जातियों/जनजातियों राशि अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण पर पूँजीगत परिवर्य-03-पिछड़े वर्गों का कल्याण-190-सार्वजनिक क्षेत्र राशि अन्य उपकरणों में निवेश-03-पिछड़ी जाति वित्त एवं विकास निगम हेतु अंशपौँजी-00 के मानक मद ३०-निवेश/क्रठ वी सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जाएगा।

1. उक्त स्वीकृत धनराशि का अहरण शासन के वार्षीय भ्राप संख्या 3428/स.क./2004-359(रामाज कल्याण)/2003 दिनांक 28.2.2004 के अनुसार जिला समाज कल्याण अधिकारी, नौकरानुन के प्रतिवरतादरित नौकर दाना भेजा जाएगा।

2. यह आदेश वित्त विभाग के असाधारिय संख्या : 504/XXVII(2)/2005 दिनांक 01.08.2005, 2005 में प्राप्त उनकी राहगति से जारी विए जा रहे हैं।

भवदीय,

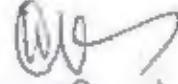
(राधा रत्नडी)
सचिव।

संख्या : १६१ (१) / XVII(1)-३ / 2005 तदनिनाक।

प्रतिलिपि : निनाकित यो सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

१. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
२. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तरांचल।
३. निदेशक, कौशागार, उत्तरांचल, देहरादून।
४. विरिष्ट कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, देहरादून।
५. निदेशक, राष्ट्रीय सूधना पिज्जान फैन्ड, संविदालय परिसर, देहरादून।
६. वित्त अनुभाग-२, उत्तरांचल शासन।
७. कजट राजकोषीय संशाधन निदेशालय, संविदालय, देहरादून।
८. सनाज काल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, संविदालय, देहरादून।
९. गार्ह फाइल।

आज्ञा रे,



(के. एस. दरियाल)
अपर सचिव।